शिवजयन्ति की संस्कृति संध्या में भाव विभोर हुए दर्शक

हैदराबाद के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने शिव बन्दना पर विखेरी प्रस्तुति

आबू रोड, 4 मार्च, निसं। ब्रह्माकुमारीज संस्था में मनायी जा रही 75 वीं शिवजयन्ति के दूसरे दिन सायंकालीन आयोजित सांस्कृतिक संध्या में हैदराबाद से आये श्रीराम नाटक निकेतन के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने शिव की सभी प्रकार की वन्दना एवं भजनों पर अपनी प्रस्तुतियां प्रस्तुति दी। देश व विदेश से आये श्रद्धालुओं की तालियों के बीच जब सत्यम् शिवम् सुन्दरम की प्रस्तुति दी तो पूरा हॉल भाव विभोर हो गया। लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में अपनी छाप छोड़ चुके इन कलकारों को राष्ट्पति के हाथों बालश्री अवार्ड तथा राष्ट्यी अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। इन कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने देर सायं तक दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्री गुरू वीएसरामामूर्ति तथा मंजूला रामास्वामीमूर्ति के निर्देशन में प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों से खूब दाद बटोरी।

सायंकालीन प्रारम्भ हुए इस समारोह में प्रारम्भ में आये कलाकारों के उत्सावर्धन के लिए झंडे तथा पगड़ी लेकर खड़े युवाओं की सुन्दरता देखती ही बनती थी। बैंड बाजों से सुस्ज्जित महफिल में धवल वत्रों से सजे लोगों की सुन्दरत देखते ही बनती थी। समारोह में इदौर से आये दूसरे कलाकारों ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियां देकर शिव के कर्त्तव्यों का दायित्व बोध कराया। इस अवसर पर नन्हें बालकारों ने परमात्मा शिव द्वारा बनायी जा रही नयी दुनिया के उपर नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया।

संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी ह्दयमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संस्था के महासचिव ब्र. कु. निर्वेर, अतिरिक्त महासचिव ब्र. कु. बृजमोहन, ब्र. कु. रमेश, मीडिया प्रभाग के प्रवक्ता ब्र. कु. करूणा, ब्र. कु. मोहिनी, ब्र. कु. मुन्नी, कार्यकारी सचिव ब्र. कु. मृत्युंजय तथा शांतिवन प्रबन्धक ब्र. कु. भूपाल ने इन कलाकारों के प्रति अपनी शुभकामनायें दी।

फोटो, 4एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5, 6 हैदराबाद से आये सुप्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देते हुए।